Phone : 23710519
Fax : (91-11) 23730937, 23730682
E-mail : cvo@csir.res.in

सीएसआईआर
CSIR
भारत का नवाचार इंजन
The Innovation Engine of India

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्
अनुसंधान भवन, 2, रफी मार्ग, नई दिल्ली–110001

COUNCIL OF SCIENTIFIC & INDUSTRIAL RESEARCH
Anusandhan Bhawan, 2, Rafi Marg, New Delhi-110001

संख्या
No. 15-6(88)/2025-ओ एंड एम(सतर्कता) दिनांक: अगस्त 11, 2026

प्रेषक
From
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Chief Vigilance Officer

To
सभी CSIR राष्ट्रीय संस्थानों/प्रयोगशालाओं के निदेशक/प्रमुख

विषय: सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2026 के आयोजन के संबंध में।

मुझे केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) के परिपत्र संख्या 04/08/26 दिनांक 03.08.2026 (प्रतिलिपि संलग्न) का संदर्भ देने का निर्देश हुआ है, जिसके अंतर्गत 26.10.2026 से 01.11.2026 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2026 निम्नलिखित विषय-वस्तु पर मनाया जाना है:

"सत्यनिष्ठा से समृद्धि"
"Probity for Prosperity"

2. केंद्रीय सतर्कता आयोग ने सभी मंत्रालयों/विभागों/संगठनों को 17.08.2026 से 16.11.2026 तक तीन माह का निवारक सतर्कता अभियान (Preventive Vigilance Campaign) चलाने की भी सलाह दी है, जिसमें निम्नलिखित पाँच प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाना है:

i. लंबित शिकायतों का निस्तारण;
ii. लंबित मामलों का निस्तारण;
iii. क्षमता निर्माण कार्यक्रम;
iv. डिजिटल पहल; तथा
v. संविदा प्रबंधन।

3. उपर्युक्त CVC दिशा-निर्देशों के अनुपालन में, सभी CSIR प्रयोगशालाओं/संस्थानों/केंद्रों से अनुरोध है कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2026 को सार्थक एवं उद्देश्यपूर्ण ढंग से मनाएं तथा अभियान अवधि के दौरान निर्धारित निवारक सतर्कता गतिविधियों को भी संचालित करें।

4. सभी CSIR प्रयोगशालाओं/संस्थानों/केंद्रों द्वारा, अन्य गतिविधियों के साथ-साथ, निम्नलिखित गतिविधियां भी की जा सकती हैं:

(i) लंबित शिकायतों का निस्तारण

- सभी लंबित सतर्कता शिकायतों की समीक्षा की जाए तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर उनके निस्तारण हेतु उचित कार्रवाई की जाए।
- 30.06.2026 तक अथवा उससे पूर्व प्राप्त शिकायतों पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि ऐसी सभी शिकायतों की समीक्षा कर, जहां तक संभव हो, प्रचलित दिशा-निर्देशों के अनुसार उनका निस्तारण किया जा सके।

(ii) लंबित सतर्कता/अनुशासनिक मामलों का निस्तारण

- सभी लंबित सतर्कता/अनुशासनिक मामलों की व्यापक समीक्षा की जाए।
- ऐसे मामलों के शीघ्र प्रसंस्करण एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर निस्तारण को सुनिश्चित किया जाए।
- ऐसे मामलों की समीक्षा की जाए जिनमें केंद्रीय सतर्कता आयोग की प्रथम चरण की सलाह (First Stage Advice–FSA) और/या द्वितीय चरण की सलाह (Second Stage Advice–SSA) का अनुपालन लंबित है तथा जहां लागू हो, आयोग की सलाह का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
- अनुशासनिक कार्यवाहियों में टाले जा सकने वाले विलंब को रोकने के लिए उपयुक्त निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए।

(iii) क्षमता निर्माण

CSIR प्रयोगशालाओं/संस्थानों द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए निम्नलिखित विषयों सहित उपयुक्त प्रशिक्षण/परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं:

- IT एवं साइबर सुरक्षा तथा साइबर हाइजीन;
- सार्वजनिक खरीद;
- GeM – नई सुविधाएं एवं कार्यप्रणालियां;
- आचरण नियम एवं हितों का टकराव (Conflict of Interest); तथा
- निवारक सतर्कता एवं नैतिक कार्यप्रणालियां।

जहां संभव हो, निवारक सतर्कता संबंधी मॉड्यूल को प्रवेश प्रशिक्षण (Induction Training) तथा मध्य-कैरियर प्रशिक्षण (Mid-Career Training) कार्यक्रमों में भी उपयुक्त रूप से शामिल किया जा सकता है।

(iv) डिजिटल पहल

- मौजूदा डिजिटल अवसंरचना की समीक्षा की जाए तथा ऐसी अतिरिक्त सेवाओं/प्रक्रियाओं की पहचान की जाए जिन्हें डिजिटल माध्यम में लाया जा सकता है।
- पारदर्शिता, कार्यकुशलता एवं जवाबदेही बढ़ाने के उद्देश्य से अभिलेखों एवं प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण को प्रोत्साहित किया जाए।
- जहां लागू हो, इन्वेंटरी/परिसंपत्तियों के प्रबंधन हेतु डिजिटल प्रणालियों की समीक्षा एवं सुदृढ़ीकरण किया जाए।
- ऐसी प्रक्रियाओं की पहचान की जाए जिनमें मैनुअल हस्तक्षेप शामिल है तथा जिन्हें सरल, स्वचालित अथवा उपयुक्त डिजिटल निगरानी तंत्र के अंतर्गत लाया जा सकता है।

(v) संविदा प्रबंधन

- उन सभी संविदाओं की समीक्षा की जाए जो पूर्णता/समापन के लिए देय हैं तथा सभी संविदात्मक दायित्वों की पूर्ति के उपरांत उनका समयबद्ध समापन सुनिश्चित किया जाए।
- संविदाओं के समापन से पूर्व सामग्री, आपूर्ति, सेवाओं एवं भुगतानों का उचित मिलान/समायोजन सुनिश्चित किया जाए।
- पूर्णता प्रमाण-पत्र, प्रतिभूति जमा, वसूली, अंतिम भुगतान, मिलान/समायोजन आदि से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा कर उनका शीघ्र निस्तारण किया जाए।
- संविदाओं की निगरानी को सुदृढ़ करने तथा कमियों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उपयुक्त उपाय किए जाएं।

5. सभी CSIR प्रयोगशालाओं/संस्थानों/केंद्रों के निदेशक/प्रमुखों से अनुरोध है कि वे सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2026 तथा निवारक सतर्कता अभियान के आयोजन की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करें तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। आयोजित की जाने वाली गतिविधियां सार्थक, परिणामोन्मुखी तथा संगठन में पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा, जवाबदेही एवं नैतिक आचरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से होनी चाहिए।

6. प्रयोगशालाएं/संस्थान/केंद्र कर्मचारियों एवं हितधारकों के बीच सत्यनिष्ठा एवं नैतिक आचरण के महत्व के संबंध में व्यापक जागरूकता उत्पन्न करने हेतु अपनी आवश्यकतानुसार उपयुक्त गतिविधियां, जैसे जागरूकता कार्यक्रम, व्याख्यान, कार्यशालाएं, प्रश्नोत्तरी, निबंध/पोस्टर प्रतियोगिताएं, सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा तथा अन्य उपयुक्त पहल भी आयोजित कर सकते हैं।

7. CVC द्वारा उपर्युक्त पाँच प्रमुख क्षेत्रों के संबंध में निर्धारित रिपोर्टिंग प्रारूप निर्धारित किए गए हैं तथा कार्रवाई रिपोर्ट (Action Taken Report–ATR) को CVO द्वारा 30.11.2026 तक निर्धारित पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत किया जाना है। अतः सभी CSIR प्रयोगशालाओं/संस्थानों/केंद्रों से अनुरोध है कि पाँचों प्रमुख क्षेत्रों के अंतर्गत संचालित गतिविधियों एवं की गई कार्रवाई से संबंधित अपेक्षित सूचना/आंकड़े अभियान अवधि समाप्त होने के पश्चात, किंतु 20.11.2026 तक अनिवार्य रूप से CSIR मुख्यालय के सतर्कता प्रभाग को उपलब्ध कराएं, ताकि CVC को ATR समय पर संकलित कर प्रस्तुत की जा सके।

8. प्रयोगशालाओं/संस्थानों/केंद्रों से अनुरोध है कि निवारक सतर्कता अभियान एवं सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान संचालित सभी गतिविधियों का समुचित दस्तावेजीकरण सुनिश्चित करें तथा आवश्यक अभिलेख/रिपोर्ट संधारित रखें, ताकि उन्हें समेकित करने एवं भविष्य में संदर्भ हेतु उपयोग किया जा सके।

11/08/2026

(योगेंद्र प्रताप सिंह)
मुख्य सतर्कता अधिकारी

प्रतिलिपि:

1. संयुक्त सचिव (प्रशासन), CSIR मुख्यालय।
2. सभी CSIR राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं/संस्थानों के वरिष्ठ COA/COA/AO।
3. वरिष्ठ DS (CO), CSIR मुख्यालय एवं वरिष्ठ DS, CSIR कॉम्प्लेक्स।
4. IT प्रभाग, CSIR – CSIR वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।

सत्यमेव जयते

केन्द्रीय सतर्कता आयोग
CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

सतर्कता भवन, जी.पी.ओ. कॉम्पलैक्स,
ब्लॉक–ए, आई.एन.ए., नई दिल्ली–110023
Satarkta Bhawan, G.P.O. Complex,
Block A, INA, New Delhi-10023

सं./No..................026/VGL/030

दिनांक / Dated..........03.08.2026....

Circular No.04/08/26

Sub: Observance of Vigilance Awareness Week, 2026

The Central Vigilance Commission observes the '**Vigilance Awareness Week**' every year with the aim of fostering awareness and promote integrity and transparency in public administration through awareness programmes and preventive vigilance initiatives. The Vigilance Awareness Week is observed every year in the week in which the birthday of Sardar Vallabhbhai Patel falls. This year, the Vigilance Awareness Week 2026 would be observed from **26th October 2026** to **1st November 2026**, on the following theme:

"सत्यनिष्ठा से समृद्धि"

"Probity for Prosperity"

2. In this regard, the Commission advises that all organizations undertake a **three month preventive vigilance campaign from 17th August 2026** to **16th November 2026** with focus on the following five areas:

(i) Disposal of pending complaints
(ii) Disposal of pending cases
(iii) Capacity building programs
(iv) Digital initiatives
(v) Contract management

3. All Ministries / Departments / Organizations may ensure active participation by all concerned so that noteworthy results during the campaign period can be achieved.

4. Action taken report in respect of the five preventive vigilance initiatives to be taken during this campaign period should be sent by all CVOs to the Central Vigilance Commission as per the format enclosed at Annexure 'A' by **30th November 2026** through the designated portal https://qpr.cvc.gov.in/ only.

(Trishaljit Sethi)
Secretary

Encl: As stated

To,

i) The Cabinet Secretary of India
ii) The Secretaries of all Ministries/ Departments of Government of India
iii) The Chief Secretaries of all Union Territories
iv) Director, CBI
v) Director, Directorate of Enforcement
vi) Chief Executives of all CPSEs/ Public Sector Banks/ Public Sector Insurance Companies/ Financial Institutions/ Autonomous Organizations/ Societies.
vii) All Chief Vigilance Officers in Ministries/ Departments/ CPSEs/ Public Sector Banks/ Public Sector Insurance Companies/ Financial Institutions/ Autonomous Organizations/ Societies.

ANNEXURE A

Preventive Vigilance activities to be undertaken during the campaign period (17th August to 16th November 2026) related to Vigilance Awareness Week 2026

1. DISPOSAL OF PENDING COMPLAINTS

(a) Initiative

It is necessary to ensure that complaints are not kept pending and are brought to a logical conclusion within the prescribed timelines. All organizations may ensure that complaints received on or before 30.06.2026 are disposed of during the campaign period.

(b) Reporting format

Name of the Organization:

Table 1

Sl. No.	Particulars	Number
1.	Complaints received on or before 30.06.2026 and pending as on 17.08.2026	
2.	Complaints received on or before 30.06.2026 and disposed during the campaign period	
3.	Complaints received on or before 30.06.2026 and pending as on 16.11.2026	

NAME OF THE CVO

SIGNATURE & SEAL OF CVO

2. DISPOSAL OF PENDING CASES

a) Initiative

The Commission has prescribed model timelines for implementation of First Stage Advice (FSA)/ Second Stage Advice (SSA).

In this regard, all organizations may ensure timely implementation of pending FSA and SSA.

b) Reporting format

Name of the Organization:

Table 2

Sl No	**Particulars**	**Pending as on 17.08.2026 (Nos.)**		**Cases falling due during the campaign period (Nos.)**		**Implemented during the campaign period * (Nos.)**		**Pending as on 16.11.2026 (Nos.)**	
		CVC	Non-CVC	CVC	Non-CVC	CVC	Non-CVC	CVC	Non-CVC
1	FSA								
2	SSA								

[*including such cases which are due to be implemented as per the prescribed timelines, during the campaign period]

NAME OF THE CVO

SIGNATURE & SEAL OF CVO

3. CAPACITY BUILDING PROGRAMS

(a) Initiative

A well-trained employee is an asset for any organization. Therefore, a robust training system for employees is important for organizations to succeed in their goals. As such, organizations may encourage employees to complete courses on following topics, **online as well as in offline mode**, during the campaign period:

(i) IT & Cyber Security and Cyber Hygiene
(ii) Public Procurement
(iii) GeM- New Features and Functionalities
(iv) Conduct Rules and Conflict of Interest

Further, Commission recognizes the need for institutionalization of preventive vigilance component in training programmes such as Induction and Mid-career training programmes. The indicative preventive vigilance modules for the same are hosted on the CVC website (https://www.cvc.gov.in/trainingmaterial). Organizations are encouraged to review their existing Induction and Mid-Career training programmes and ensure formulation and inclusion of preventive vigilance modules in Induction and Mid-Career Training Programmes for their employees.

For Vigilance Functionaries

Commission has issued Master Circulars on 11 topics and also brought out Vigilance Manual 2026 on 27.07.2026. Organizations shall ensure that appropriate familiarization programs are conducted for the vigilance functionaries in respect of the said Master Circulars and Vigilance Manual.

For Banks and Financial Institutions

Advisory Board for Banking and Financial Frauds (ABBFF) has prepared a report on "Modus Operandi and Root Cause Analysis of Frauds" (inclusive of 20 case studies). A copy of the report is available on Commission's website (https://www.cvc.gov.in/trainingmaterial). ABBFF has observed that lack of proper training in credit appraisal and credit monitoring is one of the reasons for occurrence of frauds. Public Sector Banks and Financial Institutions may hold training programmes for emphasizing these aspects through these case studies.

(b) <u>Reporting format</u>

Name of the Organization:

Table 3

Sl No [1]	Particulars of Training Program [2]	Total no of officers/ officials trained [3]	No of officers/ officials trained on iGOT out of Col [3] [4]
1	IT & Cyber Security and Cyber Hygiene		
2	Public Procurement		
3	GeM- New Features and Functionalities		
4	Conduct Rules and Conflict of Interest		

Table 4

Sl No	Name of the specific course on iGOT w.r.t Table 3 above	No of employees who have completed the course during the campaign period

Table 5

Sl No	Particulars	Details
1	Whether organization has institutionalized **Induction Training** Programme for employees with preventive vigilance module at the commencement of the campaign period	Yes/ No
2	Whether organization has formulated **Induction Training** Programme for employees with preventive vigilance module during the campaign period	Yes/ No If No, reasons thereof

Table 6

Sl no	Particulars	Details
1	Whether organization has institutionalized **Mid-Career Training** Programme for employees with preventive vigilance module at the commencement of the campaign period	Yes/ No
2	Whether organization has formulated **Mid-Career Training** Programme for employees with preventive vigilance module during the campaign period	Yes/ No If No, reasons thereof

Table 7

Sl No	Particulars of Capacity Building program for vigilance functionaries	Total no of vigilance functionaries in the organization	No of vigilance functionaries who have attended the familiarization program
1	Master Circulars and Vigilance Manual 2026		

Table 8

Sl No	Particulars of Training Program	Total no of officials trained in the organization
1	Modus -operandi and root cause analysis of Frauds (including the 20 case studies)	

NAME OF THE CVO

SIGNATURE & SEAL OF CVO

4. DIGITAL INITIATIVES

(a) Initiative

Onboarding of Organizations on Probity Portal

A dedicated online portal (https://probity.dopt.gov.in) was made for obtaining the data from all the Ministries/Departments/Autonomous Organizations etc in respect of certain areas including number of major and minor penalty disciplinary proceedings. It is desired that all Central Public Sector Enterprises (CPSEs) should be onboarded on the portal and requisite details of departmental inquiry proceedings should be uploaded and updated on the same.

Optimal Use of the existing IT/ Digital Facilities

Organizations are using technology for creating IT/ digital facilities and platforms for various internal processes of the organizations like e-HRMS or similar platforms. It is essential that these facilities/ platforms are utilized optimally. Organizations may review the extent of the utilization of the existing digital infrastructure and endeavor to bring additional services/ processes/ activities in digital mode. Some examples are digitization of service records, processing of claims, increased use of e-HRMS or similar platforms by organizations.

Digitization and Management of Inventory

A number of organizations possess a large number of movable assets/ inventories. During the campaign period, organizations may review whether inventory of assets (plant and machinery, office equipments, vehicles, sundry items etc) is digitized and endeavor to digitize the same.

(b) Reporting format

Name of the Organization:

Table 9

Sl No	Particulars	Details
1	Whether organization has been onboarded on the Probity Portal during the campaign period	Yes/No If No, reasons thereof
2	Whether all details of the pending disciplinary inquiry cases have been uploaded on the portal	Yes/ No If No reasons thereof

Table 10

Sl No	Particulars	Details
1	Additional services/ processes made digital using: (a) e-HRMS 2.0 (b) Any other similar platform specific to the organization (name may be given)	A. Existing services at the commencement of the campaign period 1. 2. 3. B. Additional Services digitized during the campaign period 1. 2. 3.

*Brief Note on each of the additional services digitized in not more than 100 words each may be provided.

Table 11

Sl No	Particulars	Details
1	Whether inventory of assets (plant and machinery, office equipments, vehicles, sundry items etc) is digitized	Yes/ No If No, reasons thereof

*Brief Note on major initiatives taken in this area during the campaign period may be provided in not more than 200 words

NAME OF THE CVO

SIGNATURE & SEAL OF CVO

5. CONTRACT MANAGEMENT

(a) Initiative

A contract shall stand closed upon (i) successful performance of all obligations by both parties including completion of warranty / defect liability obligations and final payment; or (ii) termination of contract and settlements after that, if any.

At the time of closure of contract, it should be ensured that materials' reconciliation, payment reconciliation and / or reconciliation with user department, as per terms & conditions of contract should be done across departments of the organization involved in execution of that contract.

(b) Reporting Format

Name of the Organization:

Table 12

Sl No	Particulars	Information
1	Number of contracts due for closure but not yet closed at the commencement of the campaign period	
2	Number of such contracts closed during campaign period as per extant provisions (out of 1 above)	
3	Number of such contracts due for closure but not closed at the end of the campaign period	

NAME OF THE CVO

SIGNATURE & SEAL OF CVO